वन उत्पादकता संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
(वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)
लालगुटवा, एन. एच.–23, गुमला रोड, रांची–835303 (झारखण्ड)

"ई-प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट, स्टोरकीपींग और रिकॉर्ड मेंन्टेनेस" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रतिवेदन (12/01/2021 से 13/01/2021)

वन उत्पादकता संस्थान, लालगुटवा, रांची द्वारा के मानव संसाधन विकास योजना (HRD) कार्यक्रम के भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन द्वारा प्रायोजित ई–प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट, स्टोरकीपींग और रिकॉर्ड मेंन्टेनेस विषय पर दो दिवसीय (12/01/2021 से 13/01/2021 तक) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आभासीय मंच के द्वारा किया गया । मानव संसाधन विकास के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने वाले वन अनुसंधान संस्थान, देहरादुन; उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर; शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर; वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट; वन अनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर; वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद एवं वन उत्पादक्ता संस्थान, रांची के कुल 25 प्रशासनिक अधिकारियों/ कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । पाठ्यक्रम समन्वयक श्री रविंद्र राज लाल, मुख्य तकनीकि अधिकारी ने कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों का स्वागत किया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया । इस अवसर पर डॉ. नितिन कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में ई–प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट, स्टोरकीपींग और रिकॉर्ड मेंन्टेनेस के महत्व तथा आवश्यकता के बारे में प्रतिभागियों को बताया । साथ ही उन्होनें बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबंधित विषय पर चर्चा करने का बेहतरीन मंच प्रदान करेगा और भविष्य में यह प्रशिक्षण स्टोर प्रबंधन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा । उन्होनें महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन एवं भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को इस संस्थान को यह कार्यक्रम संचालित करने हेतु आदेश के लिये धन्यवाद दिया और बताया की वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम सहभागियों के लिए व्यावहारिक दिशा निर्देश प्रदान करने वाला होगा ।

प्रथम दिवस में श्री विवेक कुमार, स्टोर ऑफिसर (डी.आर.डी.ओ.), हैदराबाद ने Government E- Marketplace (GeM) का परिचय उसके उपयोग और महत्व पर विस्तार से बताया । साथ ही उन्होनें General Financial Rule 2017 के बारे में विस्तृत जानकारी दिया जिसमें मुख्य रुप से Direct Cash purchase, Non availability report generated by Gem, Two bid system, Forward &

reserve Auction सहित अन्य जानकारियां दी । इसके अलावा श्री के. राजेश्वर, सहायक प्रोफेसर (एन.आई.आर.डी.पी.आर) हैदराबाद ने Basic understanding of e-purchase Management और Basic of store keeping & e-records management के बारे में विस्तृत जानकारी दिया जिसमें उन्होनें सामग्रियों के विभिन्न प्रकार तथा उनसे संबंधित विभिन्न प्रकार के रजिस्टर रखरखाव के बारे में बताया, साथ ही विभिन्न प्रकार के formats के बारे में बताया भी बताया गया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन का शुरुआत करते हुए वन उत्पादक्ता संस्थान, रांची के डॉ. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक'एफ'एवं सतर्कता अधिकारी ने CVC and Transparency in procurement के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही उन्होनें खरीद में पारदर्शिता पर जोर देते हुए भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाने में सहयोग करने की अपील की । श्री राहुल सिंह एवं श्री अभिषेक E-Wizard Helpdesk पटना के द्वारा E-Tendering system from Organization side and Bidder side के बारे में जानकारी दी जिसमें मुख्य रुप से E-tendering के बेबसाईट के बारे में Step by Step विस्तृत जानकारी दिया तथा organization को बेबसाईट पर E-tendering कैसे प्रकाशित किया जाये इसकी जानकारी दी ।

श्रीमती रुबी सुसाना कुजुर, वैज्ञानिक'सी' ने धन्यवाद ज्ञापन दिया । पाठ्यक्रम समन्वयक श्री रविंद्र राज लाल, मुख्य तकनीकि अधिकारी ने प्रतिक्रिया पत्र (Feedback Form) भेजने का आग्रह करते हुए प्रशिक्षण समाप्ति की घोषना की । कार्यक्रम के सफल आयोजन में भंडार अनुभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क अनुभाग तथा विस्तार प्रभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

ई प्रोक्योरमेंट पर कार्यशाला शुरू

रांची। वन उत्पादकता संस्थान लालगुटवा नगड़ी की ओर से मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून की ओर से मंगलवार को ई प्रोक्योरमेंट और परिचय पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन किया।

डॉ कुलकर्णी ने बताया कि यह प्रशिक्षण बेहतरीन मंच प्रदान करेगा व स्टोर प्रबंधन में लाभदायक सिद्ध होगा। मुख्य वक्ता के रूप में डीआरडीओ विवेक कुमार के राजेश्वर, राहुल सिंह, अभिषेक और डॉक्टर अनिमेष सिन्हा मौजूद थे। (हिब्यू)

उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

पिस्का नगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान लालगुटवा, नगडी (रांची) में के तत्वाधान में ई-प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट, स्टोरकीपींग और रिकॉर्ड मेंन्टेनेस विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर डॉ. नितिन कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में ई-प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट के महत्व तथा आवश्यकता के बारे में प्रतिभागियों को बताया।

■ **प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया उद्घाटन**

ई-प्रोक्युरमेंट व परचेज मैनेजमेंट के महत्व से हुए अवगत

देशप्राण संवाददाता

पिस्का नगड़ी 12 जनवरी : वन उत्पादकता संस्थान लालगुटवा, नगडी (रांची) में के तत्वावधान में ई-प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट, स्टोरकीपींग और रिकॉर्ड मेंटेनेस विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर डॉ. नितिन कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में ई-प्रोक्युरमेंट एवं परचेज मैनेजमेंट के महत्व तथा आवश्यकता के बारे में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में यह प्रशिक्षण स्टोर प्रबंधन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

ऑनलाइन प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ।

पाठ्यक्रम समन्वयक रविंद्र राज लाल, मुख्य तकनीकि अधिकारी ने मानव संसाधन विकास के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने वाले वन अनुसंधान संस्थान देहरादुन, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान जोरहाट, वन अनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान कोयम्बटूर, वन जैवविविधता संस्थान हैदराबाद एवं वन उत्पादक्ता संस्थान रांची के प्रशासनिक अधिकारियों/ कर्मचारियों का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता विवेक कुमार (डीआरडीओ) एवं के. राजेश्वर (एनआईआरडीपीआर) हैदराबाद, राहुल सिंह एवं अभिषेक पटना, डॉ अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक एफ एवं सतर्कता अधिकारी, रांची है। रुबी सुसाना कुजुर वैज्ञानिक सी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर डॉ योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक, डॉ शरद तिवारी वैज्ञानिक एफ एवं प्रभागाध्यक्ष (सुविधा एवं सेवा) सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Corruption, the bane of public procurement

वन उत्पादकता संस्थान
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY